

1108/17

श्रीज यह पत्रावली वाडी के प्रांपत्र
द्वारा 152 जी. पी. के तहत दफ्तर
से तलब की गई। प्रांपत्र पर बहस
सुनी गई। प्रांपत्र के कांथा पर
डिफेंडी का श्वलोकन मिया। डिफेंडी के
पत्र. नं. 14 में रोहिंद का नाम सहवन
से डिफेंडी में नाम लिख गया है जो सहवन
गणाली से हुआ। रोहिंद के ह्वात पर
सरोज पत्नी गोविंद सिंह व सरोज देवी
पत्नी महेश कौम काकी सांझागली
पाडा करवा बडी दर्ज अंग-चाहिए
लिखना डिफेंडी में सुधोधक करते हुए।
पत्रावली में सुधोधक करते हुए।